Seat No. : _____

NM-115 (H)

November-2025

B.A., Sem.-III

DSC-C-SOC-231 : Sociology
(Current Social Problems in India)
(Major)

Time : 2:00 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

निर्देश : (i) प्रश्न संख्या के अनुसार उत्तर संख्या लिखें ।
(ii) दाहिनी ओर के आँकड़े अंक दर्शाते हैं ।

1. सामाजिक समस्या की परिभाषा एवं लक्षणों की व्याख्या कीजिए । **10**

अथवा

1. सामाजिक समस्या के अध्ययन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । **10**

2. सामाजिक मानदंड अनुरूपता का अर्थ एवं कारण स्पष्ट कीजिए । **10**

अथवा

2. सामाजिक विघटन अभिगम की व्याख्या कीजिए । **10**

3. नशीले द्रव्यों की लत का अर्थ और प्रकृति बताइए । **10**

अथवा

3. नशीले द्रव्यों की लत की समस्या के प्रभावों को बताइए । **10**

4. वृद्धावस्था का अर्थ और प्रकृति बताइए । **10**

अथवा

4. वर्तमान भारत में वृद्ध लोगों की समस्याओं का विस्तार से वर्णन कीजिए । **10**

5. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य : (कोई भी **दस**) **10**

(1) सामाजिक समस्याओं को अवांछनीय स्थितियाँ माना जाता है ।

(2) सत्ता का दुरुपयोग एक सामाजिक समस्या है ।

(3) दहेज एक धार्मिक रचना से जुड़ी समस्या है ।

(4) आदत डालना सिद्धांतीकरण की पूरक प्रक्रिया नहीं है ।

(5) किसी व्यक्ति में समाज के मानदंडों को आंतरीकरण करने की प्रक्रिया को सामाजिक विघटन कहा जाता है ।

(6) अपराध समाज में मानदंडों के अनुरूप व्यवहार का निर्माण करता है ।

(7) एनोमी समाज की सांस्कृतिक संरचना में विघटन की स्थिति को इंगित करता है ।

(8) नशाखोरी आधुनिकता का परिणाम है ।

(9) निर्भरता नशीले द्रव्यों की लत की समस्या से जुड़ी हुई है ।

(10) बुजुर्गों का समाजशास्त्र कोई सामाजिक विज्ञान नहीं है ।

(11) वृद्धजनों के लिए राष्ट्रीय नीति की घोषणा 1996 में की गई थी ।

(12) वृद्धावस्था एक सार्वभौमिक घटना है ।